

>

Title: Regarding situation arising out of Coronavirus (Covid-19) outbreak.

श्री अधीर रंजन चौधरी (बहरामपुर): अध्यक्ष महोदय, हमारे हिन्दुस्तान के लोग दुनिया के उत्तर मेरु से दक्षिण मेरु तक हर जगह रहते हैं, क्योंकि सबसे बड़ा डायस्पोरा हिन्दुस्तान के लोगों का होता है। आज कोरोना वायरस के चलते अगर सबसे ज्यादा परेशानी किसी को हो रही है तो वह हिन्दुस्तान के लोगों को हो रही है। अमेरिका से लोग आते हैं। अमेरिकन एयरपोर्ट ने उनको पास कर दिया, लेकिन, जब वे हिन्दुस्तान के हवाई जहाज पर चढ़ने जाते हैं तो वे कहते हैं कि इसको निरस्त कर दिया गया है। वहां कहा जाएंगे, कहां रहेंगे, वे कैसे आएंगे, यह हम सबको देखना पड़ेगा। इस तरह से लाखों की तादाद में लोग बाहर फंसे हुए हैं, अटके हुए हैं। ईरान से इटली और इटली से अमेरिका, हिन्दुस्तान के लोग पूरी दुनिया में इस तरह से अटके हुए हैं। सरकार इस संदर्भ में कोई ठोस कदम उठाए, यही मेरी गुजारिश है।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Sir, coronavirus issue has shaken the whole of the world, and we are not out of it. Today, we have heard that the hon. Prime Minister is going to address the nation at 8 p.m.

Let the hon. Prime Minister also address the House after his speech at the national level. This is my request.

माननीय अध्यक्ष: माननीय विदेश मंत्री जी ने पूर्व में सारे विषय को सदन के अंदर रख दिया है और सरकार ने इस बारे में आगे बढ़कर कदम उठाए हैं।

श्री विनायक भाउराव राऊत (रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग): धन्यवाद अध्यक्ष महोदय, मेरा विषय सिंगापुर एयरपोर्ट पर फंसे हुए 58 विद्यार्थियों को लेकर है। मैं माननीय प्रधान मंत्री और माननीय विदेश मंत्री जी को धन्यवाद दूंगा। हम सभी सांसद, जो घटना हुई है, उसके बारे में उनसे सम्पर्क करें। फिलीपींस में पढ़ने वाले सभी मेडिकल स्टूडेंट्स हैं। वे मलेशिया आए और मलेशिया से उनको सिंगापुर में रखा गया। आज तीसरा दिन है। पिछले दो दिनों में सभी छात्रों को जिस प्रकार की परेशानी सहन करनी पड़ी, सौभाग्य से माननीय मंत्री श्री जयशंकर जी से हम सभी सांसदों ने सम्पर्क किया था और आज प्रधान मंत्री जी से भी निवेदन कर चुके हैं। मेरी आपके माध्यम से सरकार से विनती है कि सभी छात्रों को, जो सिंगापुर एयरपोर्ट पर हैं, जिनमें 25 महिला छात्र हैं, जो पूरे देश के हैं, कोई मुम्बई से, हैदराबाद से, चेन्नई से और कोई गुजरात से है। मेरी विनती है कि जो छात्र सिंगापुर एयरपोर्ट पर हैं, उनको फिर से मलेशिया न भेजा जाए, उन्हें तुरंत भारत में लाने की व्यवस्था करें और उनको मदद करने की व्यवस्था करें।

SHRI DAYANIDHI MARAN (CHENNAI CENTRAL): Sir, the issue of coronavirus is serious. The Government of India is taking stern steps. The world is also appreciating those steps taken. But why is this partiality towards the Parliament of India? Are we not citizens of India?
...(Interruptions)

12.04 hrs

